बुरी आदतें समाप्त करें

यीशु अल्कोहल, नशीली दवाओं तथा अनैतिकता के ऊपर विजय देता है

जो बालकों को शिक्षा देते हैं, उन्हें अध्ययन c9b पढ़ना चाहिये

प्रार्थना: ''प्रिय परमेश्वर, मसीह में हमारी महान स्वतन्त्रता को समझने तथा अनुभव करने में हमारी सहायता करें।''

1) अपने हृदय तथा मस्तिष्क को परमेश्वर के वचन के द्वारा तैयार करें

मरकुस 5:1-20 में देखें, दुष्ट की शक्ति से हमें मुक्त करने की परमेश्वर की शक्ति

- यीशु ने उस आदमी के साथ क्या किया, जिसे दुष्टात्माओं ने पीड़ित कर रखा था?
- यीशु ने उस आदमी को शैतान से मुक्त होने के बाद कहाँ भेजा?

पौलुस ने इफिसियों को सिखाया, कि परमेश्वर उनके जीवन में उनके द्वारा किये गये पापों से कैसा व्यवहार करता है।

- कृप्या पौलुस द्वारा इफिसियों को लिखा पत्र पढ़ें?
- इफिसियों में से इन छह चरणों का अध्ययन करें, जो लोगों की उनके द्वारा किये गए पापों से यीशु की शक्ति के द्वारा सहायता करते हैं।

चरण 1 ***पवित्र परमेश्वर के हमें आशीष देने के वादों पर भरोसा करें।***

इफिसियों 1:3-14 में उन आशीषों को देखें, जो परमेश्वर ने हमें, मसीह में,पहले से ही दे रखी हैं, जैसे कि:

- उसने हमें संसार की सृष्टि के पूर्व चुना है तथा समस्त आत्मिक वरदानों से आशीष दी है।
- उसने हमें निर्दोष, पवित्र तथा अपने पापों की क्षमा प्राप्त किये हुए होने के लिये चुना है।
- वो हमें ज्ञान तथा समझदारी प्रदान करता है।
- उसके पवित्र आत्मा ने हमको उसके हाथों में सुरक्षित रहने के लिये हम पर मोहर लगाई हैं जब तक कि हम उसके साथ स्वर्ग में ना हो।

आपने झुँड की परमेश्वर को अंगीकार करने में सहायता करें, तथा इन वादों के लिये उसका धन्यवाद करें।

चरण 2. ***परमेश्वर का आसीमित अनुग्रह माँगें जो हमें यीशु में विश्वास के द्वारा प्रप्त होता है।***

इफिसियों 2:1-10 में वो एकमात्र तरीका देखें, जिससे लोग परमेश्वर का अनुग्रह प्राप्त कर सकते हैं तथा अपने पाप और उसके जुर्माने से बच सकते हैं।

- हमें मुक्ति प्राप्त करने के लिये क्या करना चाहिये? (देखें पद 8)
- परमेश्वर का अनुग्रह तथा दयालुता हम किस के द्वारा पा सकते हैं?

चरण 3 ***पश्चाताप तथा भूल सुधार में एक दूसरे की सहायता करें।***

इफिसियों 3:10 तथा **इफिसियों 5:21** में देखें, कि परमेश्वर इस संसार में विश्वासियों को प्रोत्साहन तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिये किस के द्वारा कार्य करता है।

- इफिसियों 4:11-16 में देखें, कि कैसे परमेश्वर आपके समस्त झुँड को बढ़ने में एक दूसरे की सहायता से लैस करता है।

- एक व्यक्ति जो अल्कोहल, नशीली दवाओं या यौन-संबंधी पाप में फँसा हो, उसके प्रोत्साहन के लिये एक शक्तिशाली समुदाय की आवयश्कता है।
- एक व्यक्ति को, जिसने आपने व्यसनों का परित्याग कर दिया हो, एक परवाह करने वाले विश्वासी की आवश्यकता होती है, जो यीशु के समक्ष उसके द्वारा किये गए पापों की स्वीकारिता में उसकी गंभीरतापूर्वक सहायता करें।
- यह 'हित रक्षक' व्यसनी की उन परिवर्तनों में सहमत होने में सहायता करता है, जिनको उसको अपने जीवन में करने की आवयश्कता होती है।
- व्यसनी को अपने पाप का दृढ़ता से सामना करने के लिये, अपने परिवार के प्रेम की आवश्यकता होती है, बिना बहाने की अनुमति के!
- व्यसनी को चंगा होने में सहायता करने के लिये परमेश्वर मित्रों का उपयोग करता है। वे उसके जीवन में आवश्यक परिर्वतन करने में प्रोत्साहन देते हैं, तथा शैतान द्वारा प्रलोभन देने पर वो उसे परमेश्वर की शक्ति का स्मरण कराने में सहायता करते हैं। वो यहोयादा याजक के समान है, जो युवा राजा योआश को ज्ञानपूर्वक परामर्श देता था 2राजा 12: 2 में।
- एक व्यसनी को पाँच स्रोतों कै द्वारा सहायता की आवश्यकता होती है: 1) एक समूह जिससे वो विश्वस्त समझकर प्रार्थना के लिये कह सकता हो, 2) एक स्नेही परामर्शदाता, 3) पवित्र आत्मा की शक्ति, जो परमेश्वर उनको देता है जो माँगते हैं, 4) अपनी पापी प्रकृति तथा उसके कार्यो को बलिदान करने का प्रोत्साहन तथा उसके पाप के विषय में सत्यता से परिचर्चा, जैसे जब दाऊद के लोगों ने उसे प्रोत्साहित किया तथा उसका विरोध किया 1 राजा 1 में।

चरण 4. *बुरी आदत के मूल कारण को पहचाने तथा उस पर ध्यान केन्द्रित करें, जब तक वो समाप्त ना हो।*

इफिसियों 4:22-32 में उन व्यवहारों को देखें जो पापों का कारण होते हैं तथा अन्य व्यवहारों को, जो उन्हें मिटाते है। याकूब 3:13 से 4:3 में लोंगों के जीवन में अधिक परेशानी के कारण देखें।

लोंगों की निर्बलता के मूल कारणों के साथ व्यवहार करें, ना कि सिर्फ उनके व्यवहारों के लक्षणों (बुरे परिणामों) के साथ।

परमेश्वर शैतान के बंधन से हमारी इच्छा को स्वतंत्र कर देता हैं, तथा हमें सही चुनाव करने की शक्ति देता हैं।

चरण 5. *अपनी स्वंय की बुरी आदतों पर साहस तथा निर्णयपूर्वक आक्रमण करें।*

इफिसियों 5:3-14 में देखें अपने जीवन में पाप से व्यवहार करने का एक तरीका।

- उन व्यवहारों तथा पापों को देखें, जिन्हें हम स्वीकार करते हुए मसीह के प्रकाश की ओर प्रकट करते है।
- याकूब 5:13-16 में देखें कि प्राचीन उनसे कैसे व्यवहार करते हैं, जो कि बीमारी या पाप से दुखी हैं।

चरण 6. *शैतान, उसकी दुष्ट सेनाओं तथा उनके कपट के विरोध में आक्रमक युद्ध में लग जाएं।*

इफिसियों 6:10-18 में देखें कि हम शैतान के प्रलोभनों से कैसे सुरक्षा पाते हैं।

- देखें कि परमेश्वर के सारे हथियार बान्धने का क्या तात्पर्य है।

- पद 18 में देखें कि हमें दुष्टता के सारे आक्रमणों को दूर भगाने के लिए कितनी अधिक प्रर्थना करनी चाहिये।
- मरकुस 9:14-29 में चंगाई कें लिये प्रार्थना की शक्ति देखें।

2. सहकर्मियों के साथ सप्ताह के दौरान कार्यो को करने की योजना बनायें

- परिपक्व विश्वासियों को व्यसनियों को परामर्श देने के लिये प्रशिक्षित करें, उपरोक्त छह चरणों का उपयोग करते हुए।
- एक छोटे समूह में व्यसनियों के साथ प्रार्थना तथा परामर्श करें। आपको इसके लिये एक नया समूह बनाने की आवश्यकता हो सकती हैं।

3. सहकर्मियों के साथ आगामी प्रार्थना के समय की योजना बनायें

उन क्रिया-कलापों को चुनें जो स्थानीय रिवाज़ों तथा वर्तमान आवश्यकताओं के लिये उपयुक्त हों।

वह याचना की प्रार्थना करें, जो पौलुस ने इफिसियों के लिये इफिसियों 3:14-21 में की थी।

व्यसनों से मुक्ति के छह चरणों, भाग 1, को समझायें।

परमेश्वर की प्रशंसा करें, क्योंकि उसका आत्मा हमें बदल देता हैं। विश्वासियों से व्यसनों पर विजय की गवाहियों को बताने के लिये कहें।

दुष्टात्माओं से स्वतन्त्र हुए व्यक्ति की कहानी को बतायें या उसका अभिनय करें। सहयोगियों को उस बताने के लिये तैयार करें। पहले, सबसे यह सुनने के लिये कहें कि यीशु ने उस आदमी के लिये क्या किया था। तत्पश्चात् उनसे यह पूछें कि उन्होनें क्या पाया।

व्यसन के ऊपर विजय प्रदर्शित करें।

मि. डिसीव्ड नशे में सिर भारी होने का दिखावा करता है; वो अपने हाथों से मिट्टी पोछने की कोशिश करता है। वो कहता है कि बीती रात के उसके अवगुण के बारे में उसे खेद है।

मि. सर्पेन्ट उसको ओर शैतान के झूठ को चिल्लाकर करता है, जैसे, ''तुम निकम्मे हो। परमेश्वर अब तुम्हें नहीं बचा सकता है। तुम इस प्रलोभन पर कभी विजय प्राप्त नहीं कर सकोगे।'' दुष्टतापूर्वक हँसता है।

मि. काऊँस्लर पानी का एक कटोरा लाते है तथा मि. डिसीव्ड को बताते हैं, ''यीशु' का लहू तुम्हें शुद्ध कर देगा।''

मि. डिसीव्ड यीशु से अपने पाप तथा शराबखोरी को धो देने के लिये कहता है। वो आपने हाथ पानी में धोता है तथा विस्मय से चीखता है ''मैं शुद्ध हूँ!''

बालकों को कविता, नाटक तथा प्रश्न जो उन्होनें व्यस्कों के लिये तैयार किये हैं प्रस्तुत करने दें।

उन क्रिया कलापों को समझायें तथा प्रबन्ध करें जिनको आपने सप्ताह के दौरान करने की योजना बनाई थी, व्यसनियों की सहायता के लिये।

विश्वासियों को प्रार्थना करने दें, अपनी योजनाओं को निश्चित करने दें तथा 2 या 3 के समूह में एक दूसरे को प्रोत्साहित करने दें।

प्रभु भोज को प्रस्तुत करने के लिये यूहन्ना 6:25–35 पढ़ें। जब यीशु 5000 लोगों को भोजन करा चुका, तो कुछ लोगों ने और अधिक की विनती की, परन्तु उसने उन्हें स्वर्ग से सच्ची रोटी दी, जो अनन्त जीवन देती हैं। प्रभु भोज में हम इस रोटी के हिस्सेदार होते हैं, जैसा कि। कुरिन्थियों 10:16–17 समझाता है।

गलतियो 5:24 एक साथ स्मरण करें।